आखिर जीती चुहिया

केट

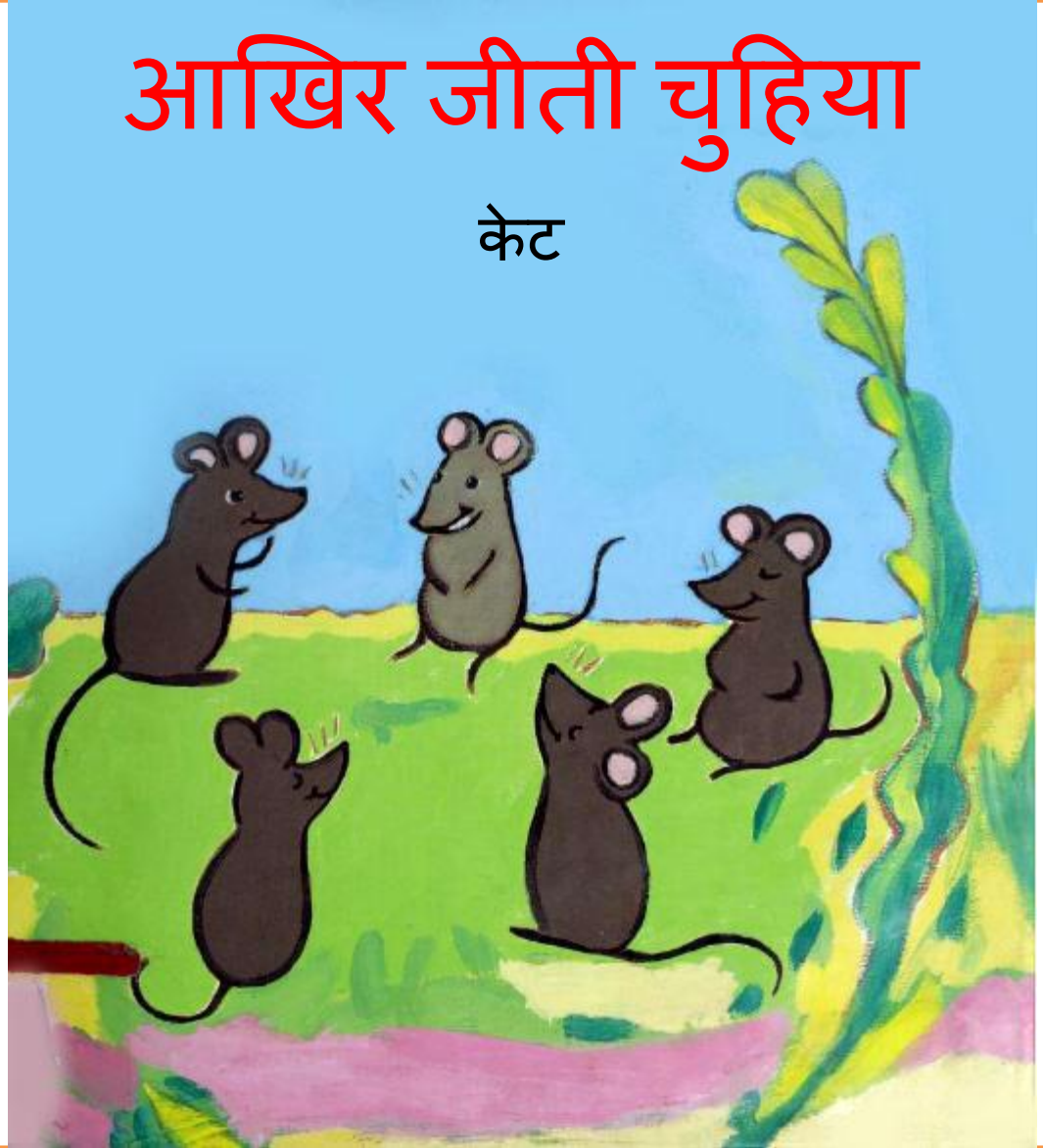

एक बार जंगल के किनारे एक सुंदर नीले घर में एक दो कलाकार बहनें रहती थीं. घर के बाहर, जंगल में, चूहों का एक बड़ा परिवार रहता था. उनमें सबसे छोटी और सबसे रोमांचकारी चुहिया का नाम लूसी था.

कहानी की शुरुआत में लूसी, दोनों बहनों से कभी-कभार ही मिलने जाती थी और हर बार बहनें उसे जंगल में वापस लाकर छोड़ देती थीं. वो चुहिया से फिर उनके घर न आने को कहती थीं. लेकिन लूसी उनकी बात समझ नहीं पाती थी. कलाकारों को अपनी मूर्तियों और चित्रों के लिए भी अच्छे मॉडल की ज़रुरत थी. लूसी को इतना पता था कि वे दोनों बहनें जानवरों से प्यार करती थीं. अंत में दोनों बहनों को ही अपना रुख बदलना पड़ा ...

केट ने लूसी की इस आनंदमय कहानी में एक दृढ़ और आकर्षक चुहिया की कहानी बयां की है, जो खुद के लिए घर ढूंढ रही थी.

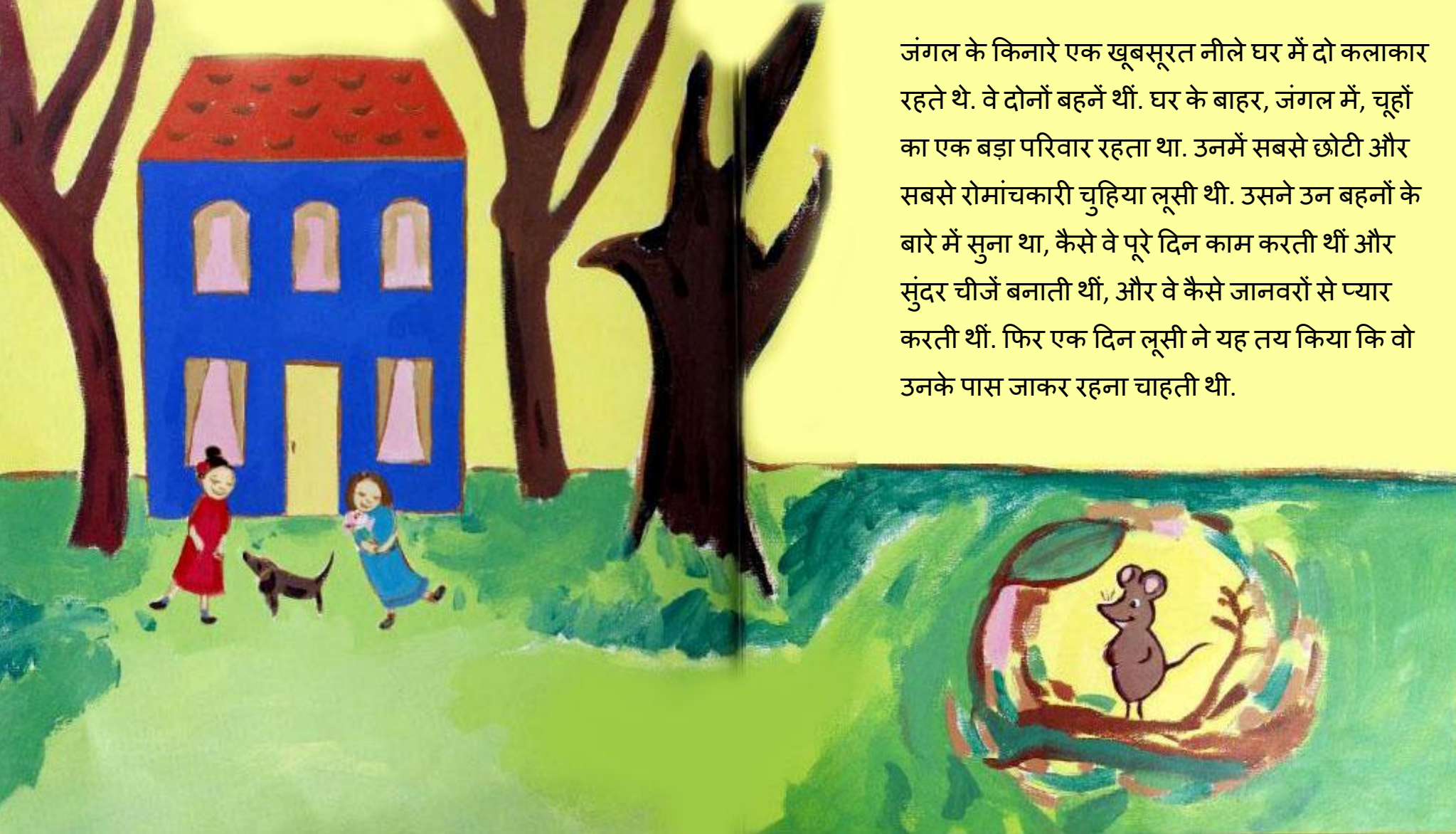

जंगल के किनारे एक खूबसूरत नीले घर में दो कलाकार रहते थे. वे दोनों बहनें थीं. घर के बाहर, जंगल में, चूहों का एक बड़ा परिवार रहता था. उनमें सबसे छोटी और सबसे रोमांचकारी चुहिया लूसी थी. उसने उन बहनों के बारे में सुना था, कैसे वे पूरे दिन काम करती थीं और सुंदर चीजें बनाती थीं, और वे कैसे जानवरों से प्यार करती थीं. फिर एक दिन लूसी ने यह तय किया कि वो उनके पास जाकर रहना चाहती थी.

इससे पहले किसी भी चुहिया ने कभी भी किसी बड़े
घर में स्थायी रूप से रहने की कोशिश नहीं की थी.

बहनों ने लूसी को जंगल में उसके पुराने बिल में वापस सुरक्षित पहुँचा दिया. दोनों में लम्बी और बड़ी बहन डोरोथी ने लूसी को सूरजमुखी के बीज खिलाए. गरट्यूड ने कहा. "यहाँ जंगल में तुम मुक्त होकर रह सकती हो. तुम अब हमारे घर में वापस मत आना!"

दोनों बहनों ने जो कुछ कहा उसका एक शब्द भी लूसी को समझ नहीं आया. उसने अपने परिवार से मिलवाने के लिए बहनों को धन्यवाद दिया. "स्क्वीक! स्क्वीक!“

अगली बार जब लूसी बहनों के घर वापस गई तो वो अपने दोस्तों को भी साथ लेकर गई. चूहों को गरट्यूड को जानवरों के मॉडल और मिट्टी की मूर्तियां बनाते हुए देखने में मज़ा आया. उन्हें खुद मॉडल बनना भी पसंद आया!

रात के समय, लूसी और उसके दोस्त,
शांत चांदनी स्टूडियो में, मूर्तियां के
नीचे लेट कर सो गए.

दिन में वे डोरोथी के स्टूडियो की अलमारियों के ऊपर सोए.
चूहों को ऐसा लगा जैसे बहनें उन्हें अपने घर में रहने देंगी.

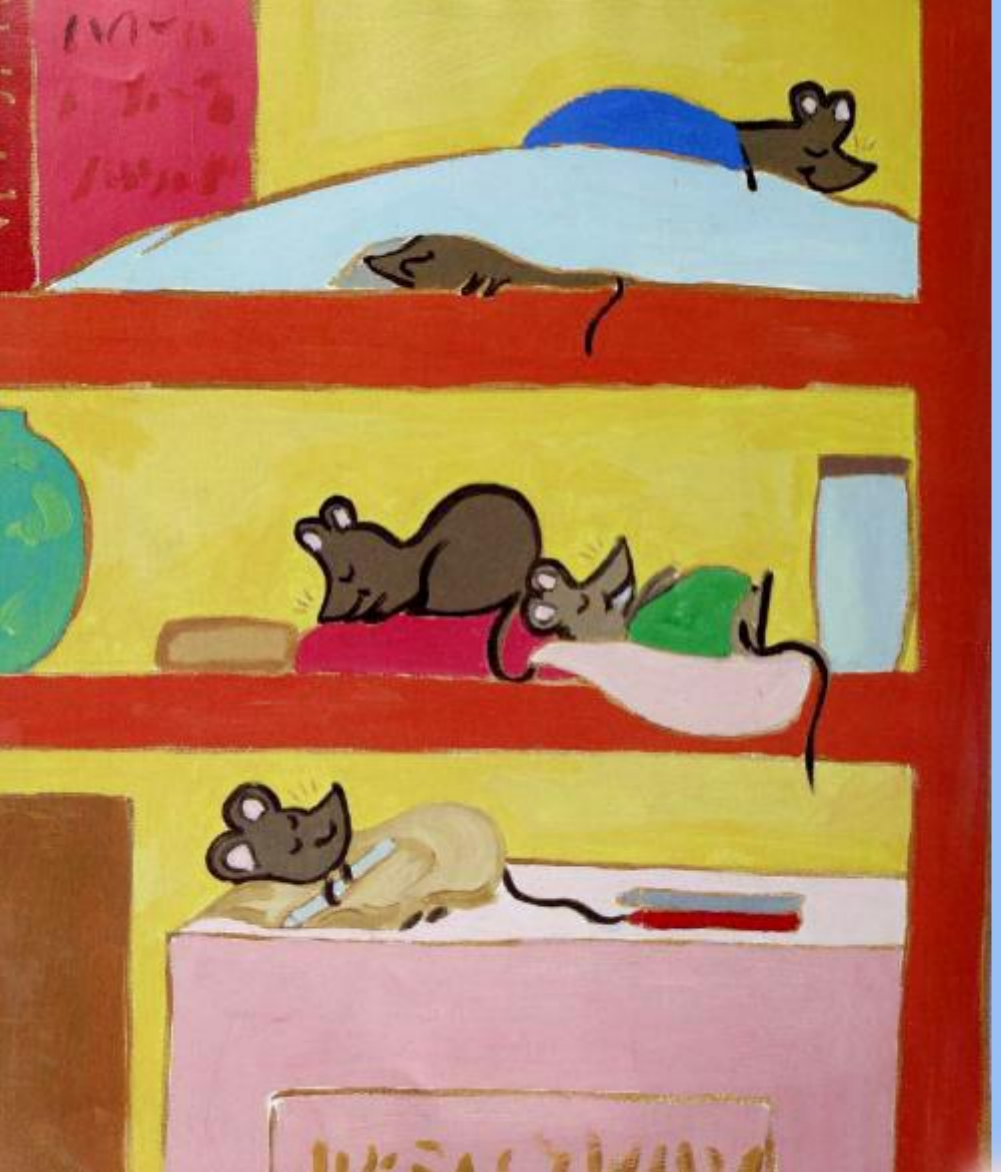

एक दिन लूसी और उसके दोस्तों ने डोरोथी की बनाई
विशेष चीनी की बनी कुकीज की खुशबू सूंघी. चूहे जाग
गए और ठंडी होने के लिए रखी सभी कुकीज़ खा गए!

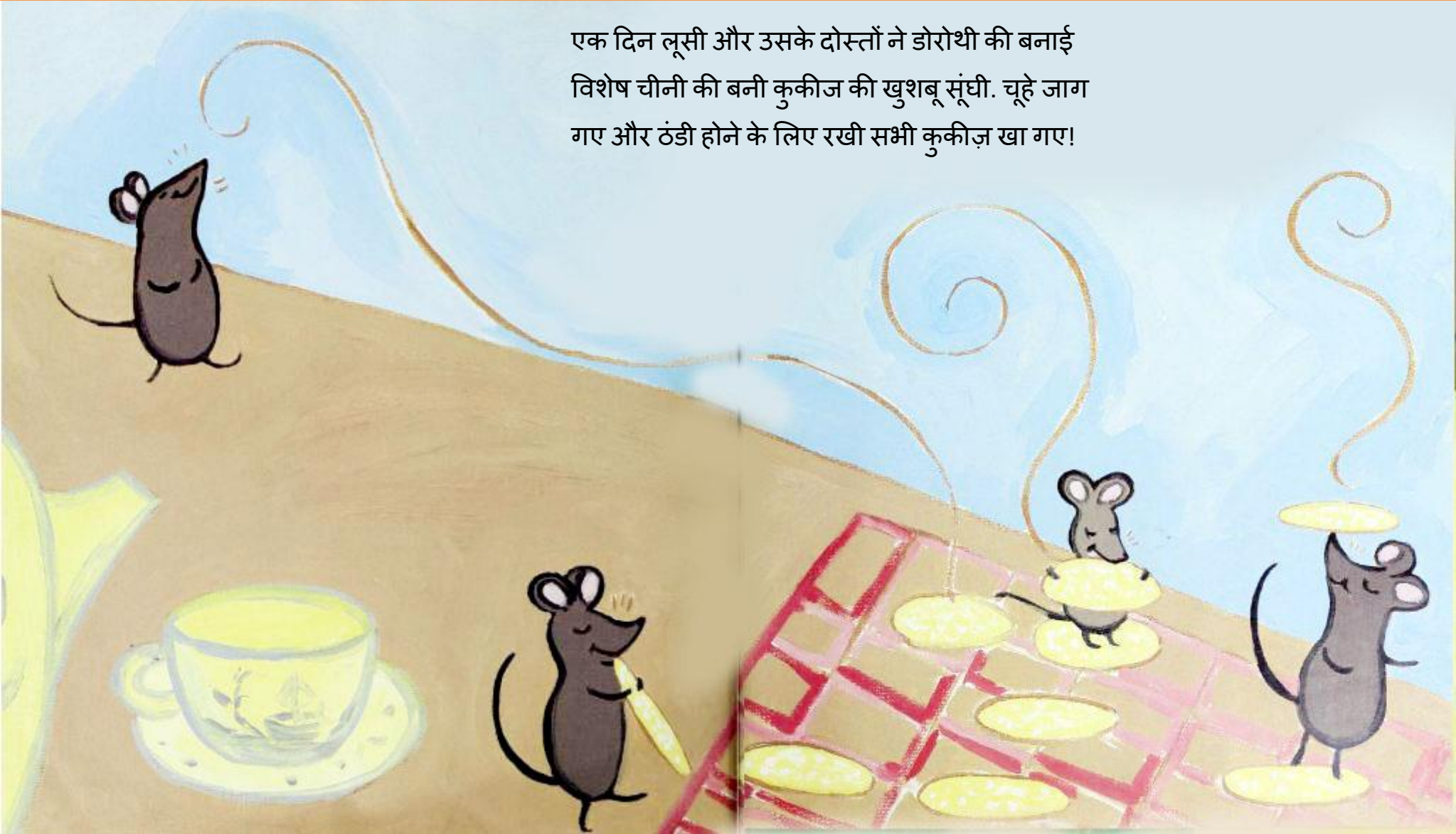

दोनों बहनों को यह बिल्कुल अच्छा नहीं लगा. उन्होंने चूहों को पकड़ा और वे उन्हें वापस जंगल में ले गईं. उन्होंने चूहों से कहा, "अब तुम कभी वापस मत आना!"

लूसी और उसके दोस्त चीनी कुकीज़ के बारे में
सबको बताने के लिए अपने-अपने घरों में भागे.

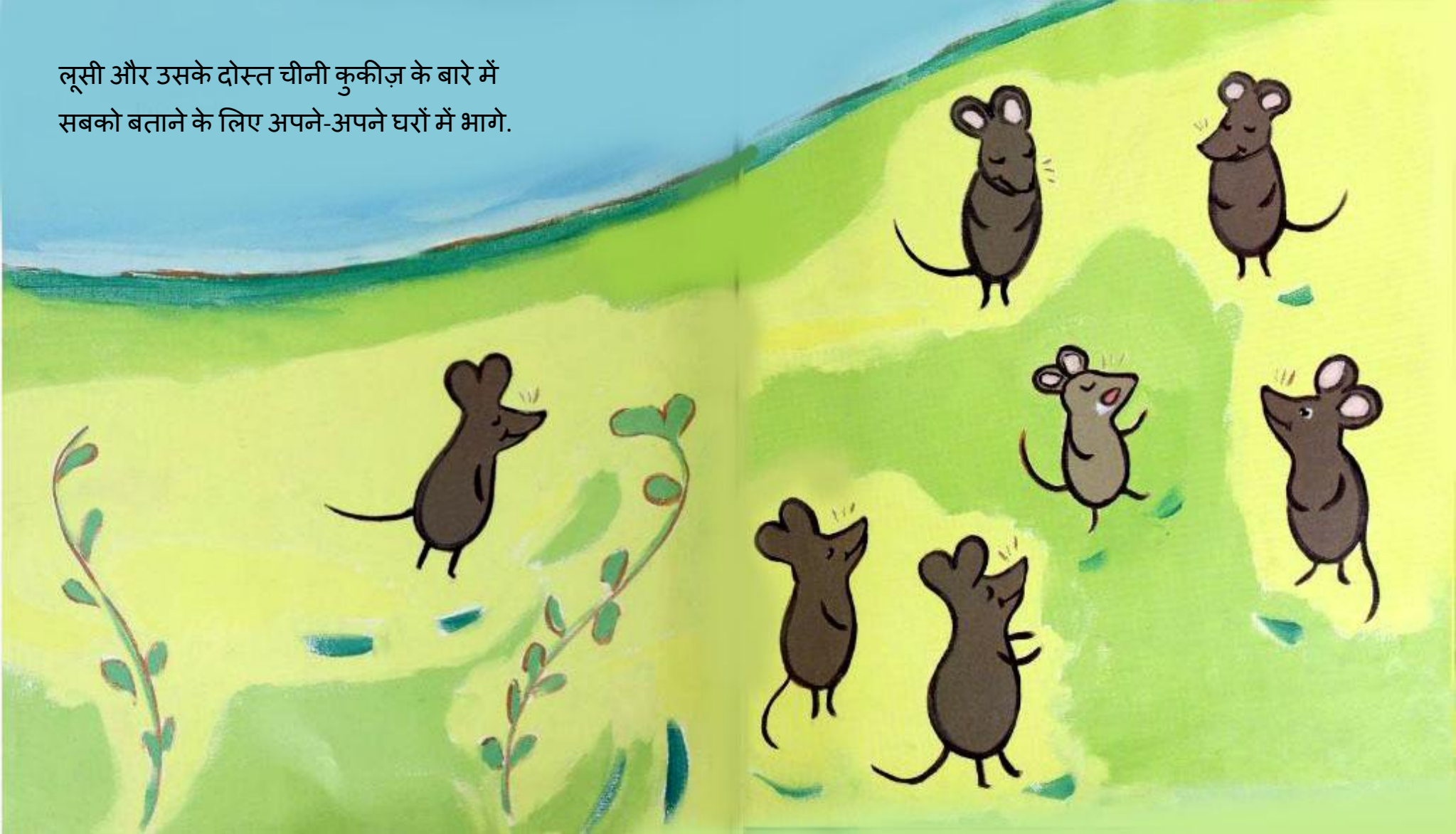

जंगल के सभी चूहों में चीनी कुकीज़ की खबर फ़ैल
गई! अब सभी चूहे उनका स्वाद चखने को तत्पर थे!

अब तक दोनों बहनें चूहों में जंगल में वापिस भेज-भेजकर थक चुकी थीं. अंत में गरट्यूड ने चूहों के स्वागत के लिए माचिस की डिब्बियों के पलंग बनाए और उनमें मुलायम गद्दे बिछाए.

डोरोथी ने उन्हें चीनी कुकीज़ से भरी अपनी प्लेट दी.
डोरोथी ने उनके बारे में जो कहानियां लिखीं, उसके लिए
लूसी और उनके दोस्तों ने खुशी-खुशी पोज़ दिया.

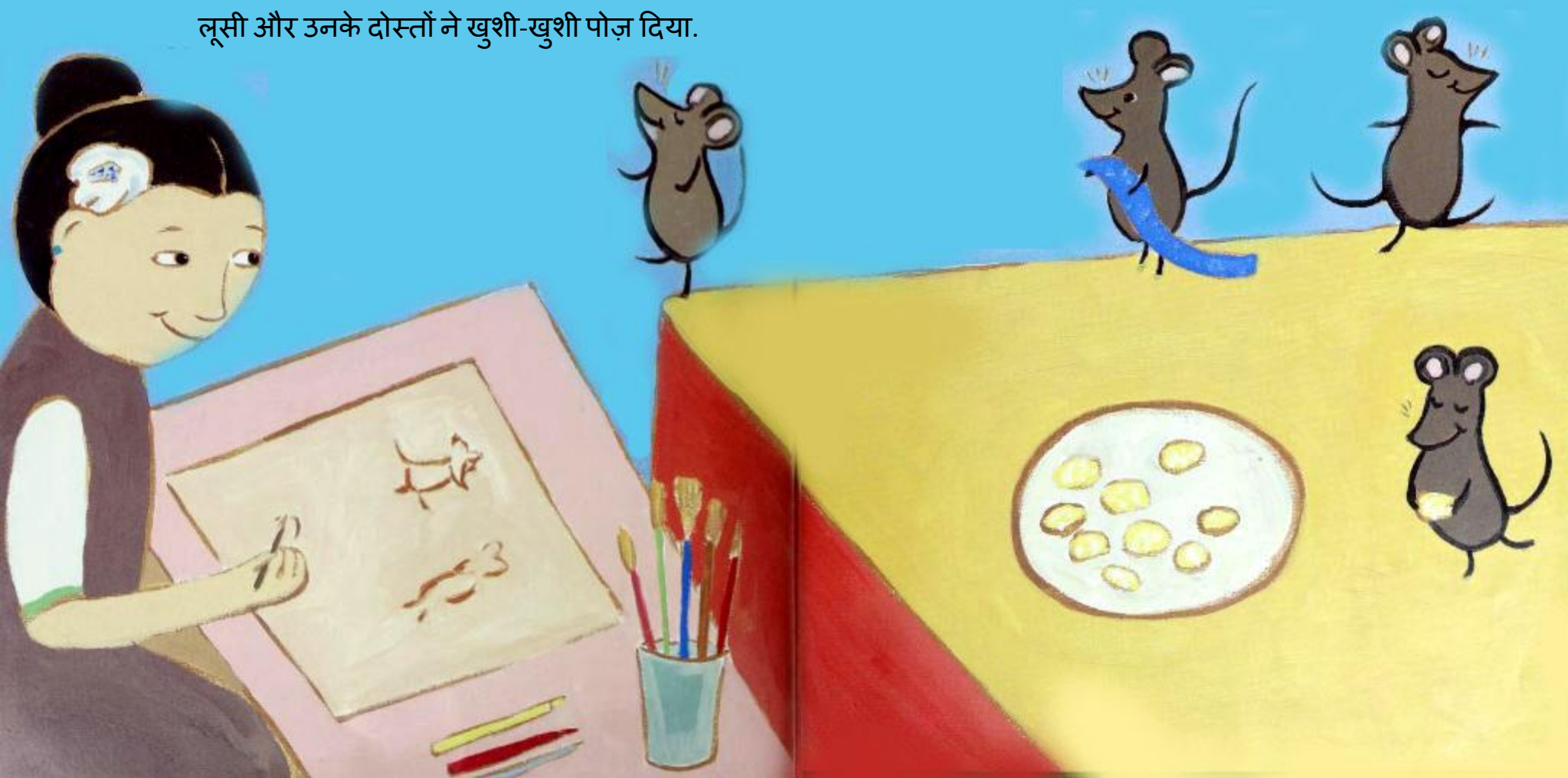

चूहों के बारे में यह किताबें इतने प्रेम से
लिखी गई थीं कि जो लोग चूहों से नफरत
करते थे, वे भी चूहों के प्रशंसक बन गए.

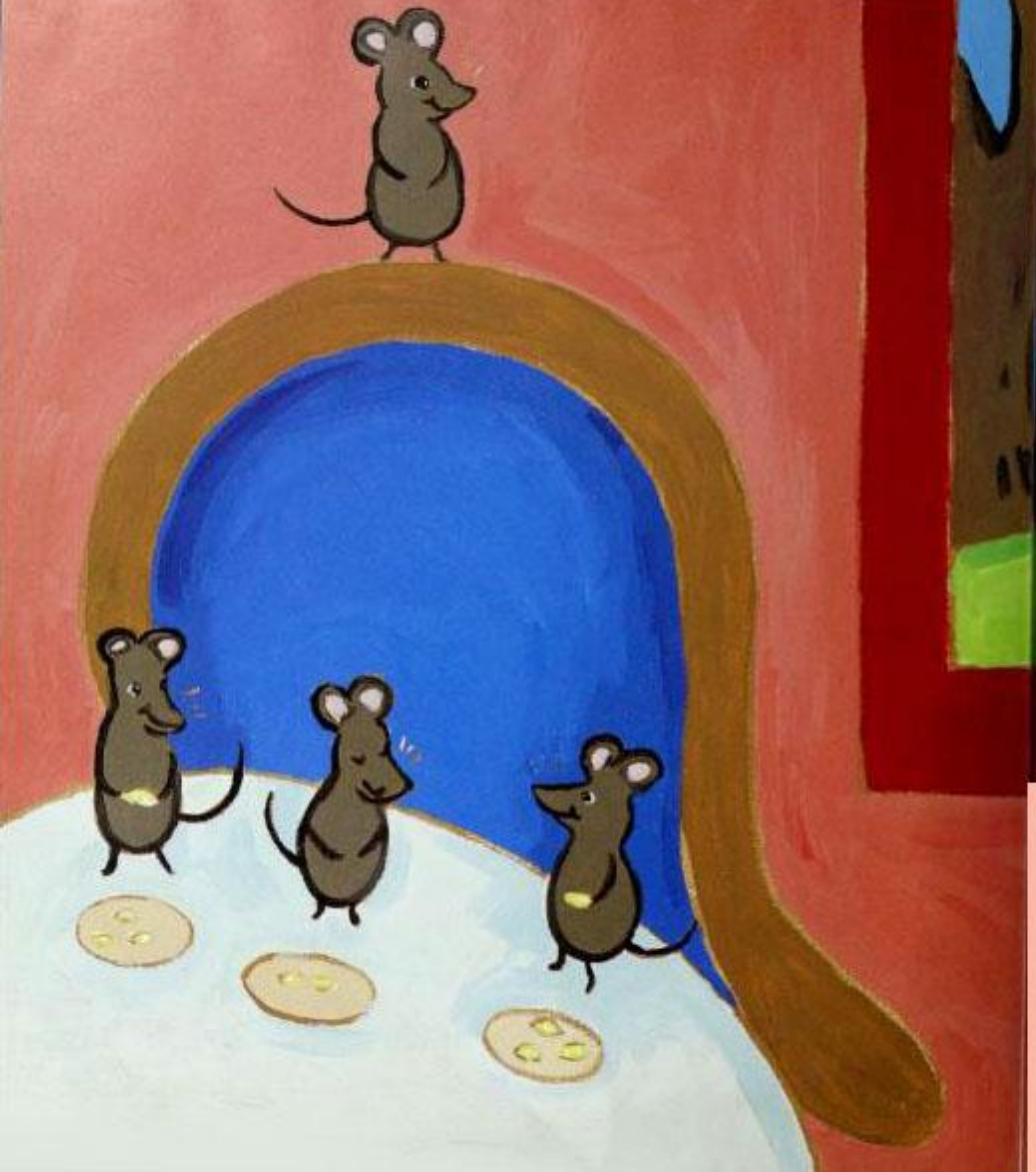

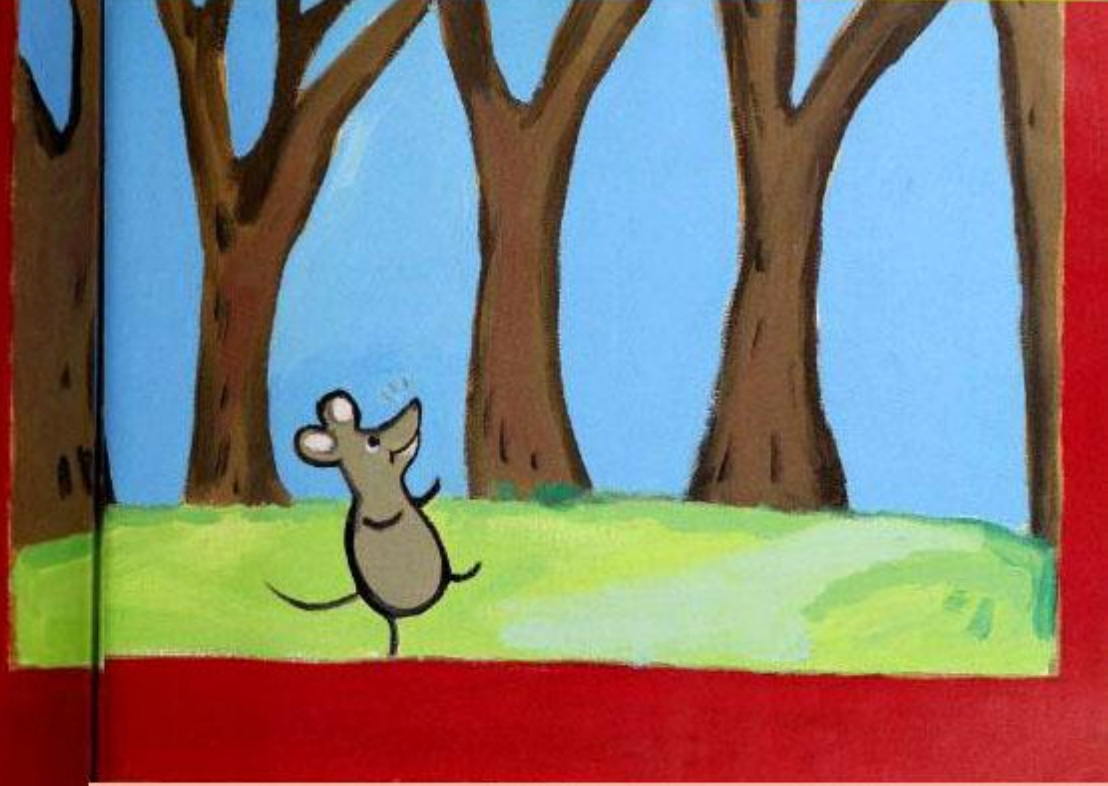

उनमें से एक कहानी ऐसी दो महिलाओं के बारे में थी जिन्होंने खुद चूहों के साथ रहना सीखा. इन चूहों में, जिसमें लूसी नाम की चुहिया का नाम भी शामिल था, जो जंगल ने किनारे एक सुंदर नीले घर में खुशी से रहती थी, और चीनी कुकीज़ खाकर मीठे सपने देखती थी.

डोरोथी लेथ्रोप एक प्रसिद्ध लेखक और बच्चों की किताबों के चित्रकार थीं.
1938 में उन्हें पहले कैल्डकोट पदक से सम्मानित किया गया था.
गरट्यूड लेथ्रोप उनकी बहन थीं जो एक प्रसिद्ध मूर्तिकार थी और वो
अपने समय की कई राजनीतिक हस्तियों को जानती थी,
जिसमें एलेनोर रूजवेल्ट भी शामिल थीं.
दोनों कलाकार जानवरों के अधिकारों के शुरूआती हिमायती थे.
जब मैं एक किशोरी थी, तो मुझे उन दोनों बहनों से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ.
तब वे अस्सी साल की होंगी. वो दोनों अच्छी कलाकार थीं और जानवरों से प्रेम
करती थीं.

समाप्त